

Roll No. ....

## **LM-107**

### **Judicial Process**

(न्यायिक प्रक्रिया)

(Master or Law LLM-12/16/17)

Second Year, Examination, 2018

**Time : 3 Hours**

**Max. Marks : 80**

**Note :** This paper is of **eighty (80)** marks containing **three (03)** Sections A, B and C. Learners are required to attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

#### **Section-A / खण्ड-क**

**(Long Answer Type Questions) / (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

**Note :** Section 'A' contains four (04) long answer type questions of nineteen (19) marks each. Learners are required to answer *two* (02) questions only.

**(B-68) P. T. O.**

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं।  
प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं।  
शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'The creative power of the Courts is limited by existing legal material at their commend. They find the material and shape it.' Discuss the statement in the light of Supreme Court's rulings on Article 21 of the Constitution.

‘न्यायालयों की सृजनात्मक शक्ति उनके नियंत्रण में विद्यमान विधिक सामग्री तक सीमित है।’ इस कथन पर उच्चतम न्यायालय द्वारा संविधान के अनुच्छेद 21 के अधीन दिये गये निर्णयों के आलोक में प्रकाश डालिये।

2. What is 'Judicial Activism' ? In this context evaluate the contribution of the Supreme Court of India, which is empowered to act as the guardian of the constitutional provisions. Refer to decided cases.

‘न्यायिक सक्रियतावाद’ क्या है ? इस सन्दर्भ में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के, जिसे संवैधानिक प्रावधानों के संरक्षक का अधिकार दिया गया है, योगदान का मूल्यांकन कीजिए। निर्णीत वादों का उल्लेख कीजिए।

3. Describe the nature, scope and extent of the writ-jurisdiction of the Supreme Court. Distinguish between

the scope of Article 32 and High Court's jurisdiction under Article 226 of the Constitution of India.

सर्वोच्च न्यायालय के रिट क्षेत्राधिकार की प्रकृति, क्षेत्र एवं विस्तार की व्याख्या कीजिए। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 में सर्वोच्च न्यायालय एवं अनुच्छेद 226 के अन्तर्गत उच्च न्यायालयों के क्षेत्राधिकार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4. Critically examine the widening dimensions of the concept of 'State' in Article 12 of the Constitution of India with the help of judicial decisions.

भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 के अन्तर्गत 'राज्य' की अवधारणा के बढ़ते हुये आयाम का आलोचनात्मक परीक्षण न्यायिक निर्णयों की सहायता से कीजिए।

### Section-B / खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions) / (लघु उत्तरीय प्रश्न)

**Note :** Section 'B' contains eight (08) short answer type questions of eight (08) marks each. Learners are required to answer *four* (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What do you mean by 'Judicial Process' ? What is the nature ? Explain.

'न्यायिक प्रक्रिया' से आप क्या समझते हैं ? इसकी प्रकृति क्या है ? व्याख्या कीजिए।

2. Write a note on significance of 'Public Interest Litigation' ? Whether there is a need of some sort of control over this judicial dynamism ? Explain.

‘लोकहित वाद’ के महत्व पर एक टिप्पणी लिखिए। क्या इस न्यायिक क्रियाशीलता में किसी प्रकार के नियंत्रण की आवश्यकता है ? स्पष्ट कीजिए।

3. Discuss the importance of administration of justice. Explain the social justice. How is it applied in India ?

न्याय-प्रशासन के महत्व का वर्णन कीजिए। सामाजिक न्याय को समझाइये। भारत में यह किस प्रकार प्रयोग में लाया गया है ?

4. Discuss the merits and demerits of doctrine of precedent.

पूर्व-निर्णय के सिद्धान्त के गुण और दोषों का विवेचन कीजिए।

5. 'Law is an instrument of social change.' Explain.

‘विधि सामाजिक परिवर्तन का एक साधन है।’ स्पष्ट कीजिए।

6. Para-legal services is an important dimension of judicial process. Discuss.

पैरा-लीगल सर्विसेज, न्यायिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण आयाम है। व्याख्या कीजिए।

7. Write a short note on the composition, jurisdiction and working system of 'Permanent Lok Adalats.

‘स्थायी लोक अदालतों’ के गठन, अधिकारिता एवं कार्यप्रणाली पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8. Explain the concept and theories of justice.

न्याय की अवधारणा एवं इसके सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

### Section-C / खण्ड-ग

#### (Objective Type Questions) / (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

**Note :** Section 'C' contains ten (10) objective type questions of one (01) mark each. All the questions of this Section are compulsory.

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Fill in the blanks :

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

1. Right to Privacy as a fundamental right is implicit in Article .....

मूल अधिकार के रूप में एकांतता का अधिकार अनुच्छेद ..... में अन्तर्निहित है।

2. 'Judiciary' may come under the purview of the term 'State' is the inference of the case decided by the Supreme Court in .....

‘राज्य’ शब्द के अन्तर्गत ‘न्यायपालिका’ भी सम्मिलित की जा सकती है—इस प्रकार का आदेश सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अभिनिर्णित ..... वाद में दिया गया है।

3. The principle of 'greatest happiness of greatest number' is propounded by ..... .

‘अधिकाधिक संख्यक को अधिकाधिक सुख’ का सिद्धान्त .....  
के द्वारा प्रतिपादित किया गया था।

4. Under Article 142 of the Constitution of India the Supreme Court can pass such order as is necessary for doing ..... .

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 142 के अन्तर्गत सर्वोच्च न्यायालय ऐसे आदेश पारित कर सकती है जो ..... के लिए आवश्यक हो।

5. In judicial precedent, obiter-dicta of a case is of ..... value.

न्यायिक पूर्व-निर्णय में, किसी वाद, में इतरोक्ति ..... प्रभाव रखते हैं।

Indicate whether the following statements are True or False :

इंगित कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य हैं या असत्य :

6. Like life, law is not static. (True/False)

जीवन की भाँति विधि भी स्थिर नहीं है। (सत्य/असत्य)

7. Section 115 of Civil Procedure Code provides for 'Review'. (True/False)

दीवानी प्रक्रिया संहिता की धारा 115 'पुनर्विलोकन' के लिए उपबन्ध करती है। (सत्य/असत्य)

8. Social justice is an important part of our judicial process. (True/False)  
 सामाजिक न्याय हमारी न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण भाग है।  
 (सत्य/असत्य)
9. The writ jurisdiction of Supreme Court is wider than the writ jurisdiction of High Courts. (True/False)  
 सर्वोच्च न्यायालय की रिट अधिकारिता, उच्च न्यायालयों की रिट अधिकारिता से बृहद् है। (सत्य/असत्य)
10. Where family Courts are established, the Civil Courts can also hear the matrimonial disputes. (True/False)  
 जहाँ पारिवारिक न्यायालयों का गठन किया गया है, वहाँ पर भी दीवानी न्यायालय पारिवारिक विवादों के मामले सुन सकते हैं। (सत्य/असत्य)